सैमसंग के बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर से बारिश में कपड़े धोना और सुखाना हुआ आसान

गुरुग्राम (भारत), 13 जुलाई 2026: भारत में मानसून गर्मी से राहत तो देता है, लेकिन कपड़े धोने और सुखाने की परेशानी भी बढ़ा देता है। लगातार नमी और बारिश के कारण कपड़े देर से सूखते हैं और उनमें सीलन व बदबू आने लगती है। ऐसे मौसम में सैमसंग बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर कपड़ों की धुलाई और सुखाने की प्रक्रिया को आसान बनाता है, ताकि मौसम चाहे जैसा भी हो, कपड़े साफ, ताजा और पहनने के लिए तैयार रहें। तो अपने घर को सैमसंग बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर के साथ अपग्रेड करें और आधुनिक तकनीक के साथ सुविधाजनक लॉन्ड्री का अनुभव लें। सैमसंग बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर सीरीज को अलग-अलग परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें स्मार्टथिंग्स ऐप की सुविधा भी दी गई है, जिसके जरिए उपयोगकर्ता कहीं से भी अपने वॉशिंग मशीन को मॉनिटर कर सकते हैं और उसे नियंत्रित कर सकते हैं। इससे कपड़ों की धुलाई पहले से अधिक आसान और सुविधाजनक हो जाती है। बड़े परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया प्रीमियम मॉडल 25 किलोग्राम वॉश और 15 किलोग्राम ड्राई क्षमता के साथ आता है। यह बिस्तर, कंबल और पर्दों जैसे भारी कपड़ों को भी कम साइकल में आसानी से धो और सुखा सकता है।वहीं, 12 किलोग्राम वॉश और 7 किलोग्राम ड्राई क्षमता वाला मॉडल सामान्य परिवारों की रोजमर्रा की जरूरतों के लिए उपयुक्त है। इसमें एआई तकनीक कपड़ों के प्रकार के अनुसार धुलाई की सेटिंग अपने आप तय करती है, जिससे नाजुक कपड़ों की भी बेहतर देखभाल होती है।छोटे घरों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए इस कॉम्पैक्ट मॉडल में वॉशर और ड्रायर, दोनों की सुविधा एक ही यूनिट में मिलती है। इसमें एआई इकोबबल और एआई कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं, जो कपड़ों के अनुसार बेहतर धुलाई सुनिश्चित करते हैं।सीरीज के सभी मॉडलों में एआई आधारित सेंसिंग तकनीक दी गई है, जो कपड़ों के प्रकार और मात्रा के अनुसार धुलाई की सेटिंग अपने आप तय करती है। इससे अलग-अलग तरह के कपड़ों की बेहतर धुलाई और ड्रायिंग सुनिश्चित होती है। वहीं, सुपरस्पीड फीचर की मदद से कपड़े केवल 39 मिनट में धुल जाते हैं, जबकि एआई एनर्जी मोड बिजली की खपत को 70% तक कम करने में मदद करता है। रोजमर्रा के कपड़े हों या एक साथ ज्यादा कपड़ों की धुलाई, सैमसंग बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर सीरीज हर जरूरत के लिए तेज, सुविधाजनक और प्रभावी समाधान उपलब्ध कराती है।

मानसून के लिए खास खूबियां

एआई आधारित धुलाई: कपड़ों के प्रकार और गंदगी के अनुसार धुलाई की सेटिंग अपने आप तय करता है, जिससे हर बार बेहतर परिणाम मिलते हैं। तेज और प्रभावी ड्रायिंग: उन्नत ड्रायिंग तकनीक कपड़ों को जल्दी सुखाने में मदद करती है, ताकि बारिश के मौसम में भी वे ताजगी के साथ पहनने के लिए तैयार रहें। सीलन की बदबू से बचाव: डियोडराइजिंग फीचर कपड़ों में नमी के कारण आने वाली बदबू को कम करने में मदद करता है। बिजली की बचत: कम ऊर्जा की खपत के साथ बेहतर प्रदर्शन देता है, जिससे बिजली का बिल कम रखने में भी मदद मिलती है।भारतीय मानसून के लिए तैयार सैमसंग बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर का कॉम्पैक्ट डिजाइन छोटे घरों के लिए भी उपयुक्त है। स्मार्टथिंग्स ऐप के जरिए इसे दूर से नियंत्रित किया जा सकता है, जबकि इसके पानी और बिजली बचाने वाले फीचर्स इसे पर्यावरण के अनुकूल बनाते हैं। इससे कपड़ों की धुलाई पहले से अधिक आसान हो जाती है।इस मानसून सैमसंग बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर अपनाएं और कपड़ों की धुलाई को आसान बनाएं। साफ, ताजे और पहनने के लिए तैयार कपड़ों के साथ समय, बिजली और जगह की भी बचत करें। इस मानसून का आनंद बेफिक्र होकर उठाएं।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने उत्तराखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका से जुड़ी पहलों के माध्यम से समग्र सामुदायिक विकास को बढ़ावा दिया

देहरादूनः टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने आज उत्तराखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक कल्याण और आजीविका से जुड़े कई सामुदायिक विकास पहलों की सफल पूर्णता की घोषणा की। ये हस्तक्षेप राज्य सरकार के साथ किए गए एक व्यापक समझौता ज्ञापन (एमओयू) का हिस्सा हैं, जिसके तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 से उधम सिंह नगर जिले के खटीमा और नैनीताल जिले के हल्द्वानी में समग्र हस्क्ष कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। सामूहिक रूप से, इन पहलों से 4 लाख से अधिक लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

शैक्षिक परिणामों को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने उधम सिंह नगर और नैनीताल जिलों के सरकारी स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में कई अवसंरचना विकास पहलें की हैं। टोयोटा के दर्शन 'गुणवत्ता अवसंरचना के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना' से प्रेरित होकर, इन पहलों का उद्देश्य 13,532 छात्रों के लिए सीखने के माहौल और समग्र स्कूल अनुभव को बेहतर बनाना है। इसके तहत बच्चों के अनुकूल शिक्षण सामग्री, उच्च गुणवत्ता वाले कक्ष फर्नीचर, स्वच्छ और समय पर मध्याह्न भोजन तैयार करने के लिए उन्नत रसोई सुविधाएँ तथा बेहतर खेल अवसंरचना उपलब्ध कराई गई है। उन्नत खेल सुविधाएँ छात्रों को शारीरिक गतिविधियों में अधिक भागीदारी के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं और उन्हें जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार कर रही हैं। ज्ञघरूके 'चाइल्ड टू कम्युनिटी' दर्शन के अनुरूप, ये हस्तक्षेप जीवंत और समावेशी स्कूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करते हैं, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता, समग्र विकास और सामुदायिक विश्वास को मजबूत करते हैं।

सीखने के परिणामों को और मजबूत करने के लिए, ज्ञघरू ने खटीमा के सरकारी स्कूलों में विज्ञान प्रयोगशालाओं को आधुनिक बनाने की परियोजना शुरू की है। सामुदायिक आकलन और जमीनी स्तर पर किए गए अवलोकनों से पता चला कि कई प्रयोगशालाएँ अब भी 15 से 20 साल पुराने वैज्ञानिक उपकरणों और मॉडलों पर निर्भर हैं, जिससे व्यावहारिक शिक्षा के अवसर सीमित हो जाते हैं। इस कमी को दूर करने के लिए, ज्ञघरूखटीमा के नौ सरकारी स्कूलों को आधुनिक विज्ञान उपकरण, यंत्र और मॉडल उपलब्ध कराएगा, जिससे 7,000 से अधिक छात्रों को लाभ होगा। इस पहल से अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा मिलने और विज्ञान शिक्षा में शैक्षणिक परिणामों में सुधार होने की उम्मीद है। सुलभ स्वास्थ्य अवसंरचना के महत्व को समझते हुए, ज्ञघरू खटीमा के सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों को आवश्यक चिकित्सा और गैर चिकित्सा उपकरणों से सशक्त बना रहा है। इस क्षेत्र में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती आवश्यकता है, जबकि मौजूदा सुविधाओं में आपातकालीन और मातृत्व देखभाल प्रबंधन में अवसंरचना की कमी है। इस पहल के तहत, ज्ञघरूखटीमा उप जिला अस्पताल और देवरी व चकरपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करेगा। इस हस्तक्षेप से 3 लाख से अधिक समुदाय के सदस्यों को लाभ मिलने और हर साल 1,500 से अधिक मातृत्व मामलों के सुरक्षित और प्रभावी प्रबंधन में मदद मिलने की उम्मीद है।

सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देने और सक्रिय जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए, ज्ञघरू ने खटीमा में तीन स्थानों पर ओपन जिम सुविधाएँ स्थापित की हैं और एक स्थान पर बच्चों के लिए समर्पित खेल क्षेत्र विकसित किया है। यह पहल महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुलभ फिटनेस स्थानों की कमी को दूर करती है, साथ ही बच्चों के लिए मनोरंजन के अवसर भी प्रदान करती है। इन सुविधाओं से लगभग 60,000 समुदाय के सदस्यों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

शिक्षा और स्वास्थ्य से आगे बढ़कर, उत्तराखंड में ज्ञघरूकी हस्क्ष पहलें आजीविका को मजबूत करने पर भी केंद्रित हैं। कंपनी ने उधम सिंह नगर जिले के गदरपुर में एक रजाई बनाने के केंद्र को सौर ऊर्जा प्रणाली की स्थापना के माध्यम से सहयोग दिया है। इस पहल से स्थानीय स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 120 से अधिक महिलाओं को लाभ मिलेगा, क्योंकि भारी मशीनरी चलाने के लिए अब उन्हें निर्बाध और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति मिलेगी। पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम करके, इस पहल से उत्पादकता में सुधार, आजीविका के अवसरों को मजबूत करने और पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान मिलने की उम्मीद है।

नि :शुल्क नेत्र जाँच शिविर में 217 लोगों के आंखों की जांच एवं 29 लोग ओपरेशन के लिए चयनित

भीनमाल। ब्रह्माकुमारी राजयोग सेवा केंद्र के प्रभु वरदान भवन में बी के डॉ गीता बहन व बी के शैल बहन के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर 139 वॉ नि:शुल्क नैत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम बड़े धूम-धाम के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर एवं केक काटकर मनाया गया। कार्यक्रम में जन्म दिवस के शुभ अवसर पर संस्थान के सभी बी के भाई -बहनों द्वारा दोनों बहनों को ताज, तिलक, व हार पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया। बी के राधा बहिन ने इस मौके पर अपनी मधुर वाणी में फाऊलाल बालौत द्वारा रचित कविता सुनाकर खुब तालियां बटोरी। जन्मदिन पर अपने हस्त निर्मित कार्ड गिफ्ट के रूप में प्रेषित किया। दीदी ने भी सभी भाई बहनों सहित शिविर में आए सभी लोगों को टोली व केक खिला कर मुंह मीठा कराया।

नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर

ब्रह्माकुमारी राजयोग केंद्र में डॉ. बी. के. गीता बहन के मुख्य आतिथ्य में व बी के शैल बहन की अध्यक्षता में, विशिष्ट अतिथि के रुप में नागरिक कल्याण मंच के अध्यक्ष माणकमल भण्डारी, गुमानसिंह राव, लक्ष्मण भजवाड, फाऊलाल बालौत उपस्थित थे। जन्म दिवस के शुभ अवसर पर सभी को सम्बोधित करते हुए डॉ गीता बहन ने ब्रह्माकुमारी राजयोग सेवा केन्द्र द्वारा की जा रही सेवाओं से अवगत कराया ।साथ ही सभी को यह संकल्प कराया कि प्रतिवर्ष जन्मदिन और शादी की सालगिरह पर एक-एक पौधा लगाकर उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी लें। तभी हम सही मायने में पर्यावरण और अपने जीवन को बचा पायेंगे। नागरिक कल्याण मंच के अध्यक्ष माणकमल भंडारी ने कहा कि ब्रह्माकुमारी राजयोग केंद्र द्वारा जरूरतमंद एवं असहाय लोगों के लिए शिविर लगा कर वरिष्ठ लोगों की सेवा की जाती है। भंडारी ने कहा कि ब्रह्माकुमारी राजयोग केंद्र द्वारा समय समय पर धार्मिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक शिविर लगा कर समाज में चेतना जाग्रत करने का कार्य किया जाता है। नेत्र चिकित्सा शिविर में ग्लोबल अस्पताल तलहटी आबूरोड से डॉ यश व वशिका के नेतृत्व में पहुंची टीम ने अपनी सेवाएं देते हुए कुल 217 लोगों के आंखों की जांच करते हुए 29 मोतियाबिंद के मरीजों को चयनित किया। साथ ही मरीजों के आंखों की जांच करते हुए आंखों के नम्बर निकालते हुए दवाईयां व चश्मे वितरित किए । इस अवसर पर 29 मोतियाबिंद आपरेशन योग्य मरीजों को नि:शुल्क बस द्वारा ग्लोबल नैत्र अस्पताल तलहटी आबूरोड ले जाया गया।जहां पर उनका नि:शुल्क आपरेशन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन बी के नारायणभाई ने किया।

क सुकेत की आदि राजधानी पांगणा में सनातन संस्कृति का विराट महाकुंभ :

11 दिवसीय श्री शिव स्तुति महायज्ञ श्रद्धा सेवा और वैदिक परंपरा का अनुपम संगम

सुकेत रियासत की आदि राजधानी के रूप में विख्यात पांगणा में सावन मास के पावन अवसर पर 13 जुलाई से 23 जुलाई 2026 तक आयोजित 11 दिवसीय श्री शिव स्तुति महायज्ञ का शुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाजों, भव्य कलश यात्रा एवं नगर परिक्रमा के साथ श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। यह महायज्ञ पांगणा क्षेत्र की प्राचीन वैदिक परंपराओं, लोक आस्था तथा समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का सजीव प्रतीक बनकर समूचे सुकेत अंचल में आध्यात्मिक चेतना का संचार कर रहा है।महायज्ञ आयोजन समिति के निदेशक एडवोकेट डॉ. जितेन्द्र महाजन, चेतन शर्मा, धर्मेन्द्र महाजन एवं जगदीश शर्मा (काकू) ने बताया कि महायज्ञ का शुभारंभ सुकेत अधिष्ठात्री श्री राज-राजेश्वरी महामाया दुर्गा मंदिर से हुआ, जहाँ से 20 युगलों ने 20 पवित्र धर्मग्रंथों एवं पुराणों को अपने सिर पर धारण कर भव्य नगर परिक्रमा आरंभ की। इनमें श्री ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण, विष्णु पुराण, शिव पुराण, श्रीमद्भागवत महापुराण, नारद पुराण, मार्कण्डेय पुराण, अग्नि पुराण, भविष्य पुराण, ब्रह्मवैवर्त पुराण, लिंग पुराण, वराह पुराण, स्कन्द पुराण, वामन पुराण, कूर्म पुराण, मत्स्य पुराण, गरुड़ पुराण, ब्रह्माण्ड पुराण, श्रीरामचरितमानस तथा श्रीमद् देवीभागवत महापुराण सहित प्रमुख ग्रंथ शामिल रहे।

नगर परिक्रमा का नेतृत्व माँ महामाया भुवनेश्वरी पांगणा की दिव्य देव रथयात्रा के साथ व्यास एवं उपव्यास मंडल ने किया। शशिपाल डोगरा (कुमारसेन), खजानाराम शर्मा (शंकर देहरा), महेन्द्र शर्मा (सुन्नी), डॉ. चमन लाल (थाच), आचार्य गोविन्द शर्मा, नीलकमल शर्मा, हंसराज शर्मा, जयकृष्ण शर्मा, देशराज शर्मा, चमन शर्मा, मनोज शर्मा, सोमकृष्ण शर्मा, किशन शर्मा, दिवान शर्मा, हितेश शर्मा, विनोद शर्मा, खेमराज शर्मा, चेतन शर्मा, इन्द्रराज, सन्नी शर्मा, मुनीश शर्मा तथा युवराज शर्मा सहित अनेक विद्वानों एवं श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

महिलाओं के मधुर भजन-कीर्तन से संपूर्ण वातावरण शिवमय हो उठा। शोभायात्रा हत्या माता मंदिर, राधाकृष्ण मंदिर, माहूंनाग शलोटी देओरा, पुरानी मार्केट स्थित शिवालय, लक्ष्मीनारायण मंदिर तथा ऐतिहासिक अंबरनाथ मंदिर से होते हुए निर्माणाधीन ठाकुरद्वारा एवं हनुमान मंदिर परिसर पहुँची।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विनोद शर्मा, आचार्य तुषार शर्मा, डॉ. दास महेश व्यास एवं डॉ. अमन शर्मा ने कहा कि श्री शिव स्तुति महायज्ञ केवल पांगणा या करसोग ही नहीं, बल्कि समूचे सुकेत-मंडी और हिमाचल प्रदेश के लिए एक अद्वितीय आध्यात्मिक आयोजन है। ऐसे महायज्ञ भारतीय संस्कृति, वैदिक ज्ञान, सामाजिक समरसता तथा विश्वकल्याण की भावना को सुदृढ़ करते हैं।

महायज्ञ में प्रतिदिन विशाल भंडारों का आयोजन किया जा रहा है। विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह है कि 11 भंडारों में से दो भंडारे शिमला(पांगणा से 100किलोमीटर दूर) एक मंडी पांगणा से 101 किलोमीटर दूर)तथा एक सुंदरनगर(पा?गणा से 76 किलोमीटर दूर) के श्रद्धालुओं द्वारा विश्वमंगल की भावना से समर्पित किए हैं,

जो इस आयोजन के प्रति व्यापक जनआस्था का परिचायक है।पहला भण्डारा संतराम शर्मा,भट्टाकुफर(शिमला)दूसरा भण्डारा नारायण सिंह (रिटायर्ड वैटनरी फार्मासिस्ट) पांगणा।तीसरा भण्डारा- "गुप्त अन्न दान,चौथा भण्डारा - जगदीश शर्मा, बागेश्वरी शर्मा सुन्दर नगर , पांचवा भण्डारा हिमा शर्मा धर्मपत्नी स्व0 मेहर चन्द शर्मा तोगड़ा, छठा भण्डारा- टी0डी0 शर्मा सेवानिवृत एक्शन पीडब्ल्यूडी विभाग ढली- शिमला,सातवाँ भण्डारा केशव (हीनू) पांगणा,

आठवाँ भण्डारा गुप्त अन्न दान,

नौवां भण्डारा गुप्त अन्न दान,दसवाँ भण्डारा समस्त उपमन्यु (पुजारी) परिवार ग्यारहवाँ व अन्तिम भण्डारा प्रांचल (सपुत्री श्री महेन्द्र शर्मा पिंटू भाई) व आदित्य मण्डी भेंट कर रहे हैं।

महायज्ञ के अंतर्गत आयोजित होने वाली प्रमुख कथाओं के मुख्य यजमानों में श्रीराम कथा के लिए प्रदीप गुप्ता (सपुत्र स्व. संत राम गुप्ता), श्री शिव पुराण कथा के लिए हिमेन्द्र शर्मा (सपुत्र स्व. पुरुषोत्तम शर्मा, शाना), श्रीमद्भागवत कथा के लिए खेमराज गुप्ता (सपुत्र स्व. गंगा राम गुप्ता, सेवानिवृत्त अधीक्षक, शिक्षा विभाग) तथा श्रीमद् देवीभागवत कथा के लिए गीता महाजन (धर्मपत्नी स्व. डॉ. हुक्म चन्द गुप्ता) मुख्य यजमान हैं। श्रीशत् चण्डी पाठ के यजमान पूर्ण मल महाजन (सपत्नीक) हैं, जबकि गायत्री पाठ एवं अन्य वैदिक अनुष्ठानों में भी अनेक श्रद्धालु श्रद्धापूर्वक सहभागिता निभा रहे हैं।

अठारह पुराणों के यजमानों में विद्या शर्मा, पिताम्बर शर्मा (सपत्नीक), कुसुम महाजन, हिमेन्द्र शर्मा, खेमराज गुप्ता सहित अनेक श्रद्धालु परिवारों ने धर्म, संस्कृति और लोकमंगल की भावना से सहभागिता सुनिश्चित की है। यह सहभागिता इस महायज्ञ को केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक आस्था, सेवा और सांस्कृतिक एकता का महापर्व बना रही है।पांगणा की पुण्यभूमि पर आयोजित यह श्री शिव स्तुति महायज्ञ श्रद्धा, सेवा, संस्कार, ज्ञान और सनातन वैदिक परंपरा का ऐसा अनुपम महोत्सव बन गया है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए भी भारतीय संस्कृति और लोक आस्था का प्रेरणास्त्रोत सिद्ध होगा।

परिस्थितिकी तंत्र सन्तुलन में पेड़-पौधों की भूमिका महत्वपूर्ण

बाड़मेर राजस्थान थार नगरी, बाड़मेर को हरा-भरा बनाने को लेकर सोमवार को जन कल्याण संस्थान एवं सांसियों का तला विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में सांसियों का तला गांव में स्टेट अवार्डी शिक्षक व पर्यावरण कार्यकर्ता मुकेश बोहरा अमन के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसके तहत अलग-अलग किस्म के 151 पौधे लगाएं गए। तथा उनके संरक्षण की व्यवस्था की गई। संस्थान के सदस्य सुनिल रामधारी ने बताया कि सांसियों का तला राजस्व गांव को ग्रीन विलेज बनाने को लेकर पिछले कई वर्षों से सतत पौधारोपण किया जा रहा है। जिस क्रम में सोमवार को सांसियों का तला गांव में धन धन सतगुरु आश्रम, विद्यालय परिसर तथा घर-घर पौधारोपण किया गया। तथा पौधारोपण पश्चात पौधों को संरक्षित कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में नीम, गुलमोहर, करंज, शीशम आदि किस्म के 151 पौधे लगाएं गए।अमन ने कहा कि परिस्थितिकी तंत्र के सन्तुलन में पेड़-पौधों की महत्वपूर्ण बहुत महत्वपूर्ण है। पेड़-पौधे पर सभी जीवों का जीवन निर्भर है।इस दौरान मुकेश अमन, सुनिल रामधारी, डालूराम सेजू, राजेश जोशी, उषा जैन, चन्द्रकला सिहाग, सीमा शर्मा, रिया शर्मा, रूपाराम, प्रियंका राठौड सहित बड़ी संख्या में बच्चे व ग्रामीण उपस्थित रहे।

सोनम वांगचुक जी के नाम

हरियाली रो रही है,बर्फ पिघल रही है।जिसने दी सबको छाँव,वही न्याय की गुहार लगा रही है।लद्दाख को ज्ञान-दीप से जगमगाया,जहाँ हर तरफ था बर्फ का साया।बर्फ की चट्टानों में रहते थे मेरे देश के लाल,सोनम वांगचुक जी ने यह सब देख,आइस स्तूप से सबका जीवन महफ़ूज बनाया।'थ्री इडियट्स' का मशहूर सिनेमा,सोनम वांगचुक जी से ही प्रेरित है।जहाँ भी ज्ञान की चाह रखने वाले छात्र हैं,वहाँ सोनम जी का मार्गदर्शन हमेशा जीवित है।नीट की समस्याओं के स्थायी निवारण हित,अमरण अनशन पर नमक-पानी संग बैठे हैं।मांग है छोटी सी-'शिक्षा मंत्री दें इस्तीफा',ताकि शिक्षा में सुधार हो, वे जिद पर अड़े हैं।न धन का लोभ कोई, न जीने की उम्मीद बची,साँसों से लड़ते आज भी वे अनशन पर डटे हैं।साँसें हैं थमने को तैयार, पर सरकार मौन है,इतिहास ने न देखी ऐसी चुप्पी, जो आज हर ओर छाई है।**सत्येंद्र कुमार 'एस.टी.डी. मौर्य' कटनी मध्य प्रदेश 7648959825**

बाबू बंजारा की कृति फूल मिलें या खार का लोकार्पण

रविवार को सार्वजनिक मण्डल पुस्तकालय में कोटा में देश भर में हाड़ौती अंचल की खुशबू बिखेरने वाले लोकप्रिय गीतकार, कृतिकार बाबू बंजारा द्वारा रचित कृति ' फूल मिलें या खार' का लोकार्पण समारोह सम्पन्न हुआ?। कार्यक्रम में सबसे पहले माँ शारदे का पूजन अर्चन मंचस्थ अतिथियों द्वारा किया गया, सरस्वती वंदना गीतकार लोकेश मृदुल ने की। समस्त मंचस्थ अतिथियों का स्वागत सम्मान माला, शॉल, साफा, प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मान परिवार जनों द्वारा किया गया।

उसके पश्चात् स्वागत उद्बव पौत्र ने दिया

इस कार्यक्रम में ओजस्वी कवि एवं विशिष्ट अतिथि ओम सोनी,मधुर अन्ता ने कहा कि ' बाबू बंजारा मूलरूप से लोककवि है, आप इतने सहज है, कि जब वो आध्यात्म को लिखता है, उसका परिणाम होता है इतनी अच्छे कवि आप सबके सामने है। बंजारा जी महज एक मंचीय कवि नहीं है, उसके अंदर जो कवि जिन्दा है यह कृति उसका परिणाम है। '

दीपक श्रीवास्तव (अधीक्षक, सार्वजनिक मण्डल पुस्तकालय, कोटा) ' बाबू बंजारा अपने आप में बहुत विनम्र है, हास्य कवि या अभिनेता का दर्द सबसे ज्यादा होता है, उसके मन में सबसे ज्यादा दुःखी होता है। आज बाबू बंजारा जी ने यह साबित कर दिया कि मंचीय प्रभाव से भरपूर है लेकिन दोहा साहित्य भी प्रभावित कर सकते हैं। ' हाड़ौती अंचल के लोकप्रिय गीतकार एवं विशिष्ट अतिथि मुकुट मणि राज ने कहा कि ' इतने अच्छे अभिव्जना के दोहे लिखें हैं, दोहा बहुत पुराना छन्द है, देश का कोई सा भी ग्रन्थ देख लो लेकिन उसमें दोहे मिल जायेंगे, 'बंजारा मोती निकालना शुरू किया है और भी कृतियाँ लेकर आयेंगे, विशिष्ट अतिथि एवं वरिष्ठ गीतकार दुर्गा दान सिंह गौड़ ने कहा कि ' तीन आदमियों ने दोहे में महारथ हासिल की है, रामनारायण हलधर, नैनवाँ के जयसिंह आशावत, और यह तिसरी कृति है, कोई भी भाषा या बोली छोटी नहीं होती है।

जगदीश सोलंकी ने कहा कि ' बाबू जबसे कविता पढ़ने लगा है तबसे मै जातना हूँ, बाबू ने कभी भी अपने दिल पर दिमाग हावी नहीं होने दिया, आप जो लिख रहे हैं, बहुत अच्छा लिखा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं

मुख्य अतिथि विजय जी स्वर्णकार ने कहा कि ' आज इस आयोजन में आकर भाग्यशाली समझ रहा हूँ, मानवीय मूल्यों है वह संवाहक है, सबसे लोकप्रिय विधा दोहा है, हमनें कबीर को सुना, तुलसी को सुना है, किताबें झाकती है बन्द अलमारी के शिशो से, बड़ी हक से ताकती है, महिनो इन्तजार करती है, आपने जो दोहा परिवर्तन किया है वह वन्दनीय है, अध्यक्षता कर रहे कोटा महानगर के पूर्व महापौर महेश विजय ने कहा कि ' आज इस पावन अवसर पर बाबू वैसे तो चटपटी लिखता है, लेकिन परोसता बहुत मीठा है, आप मीठे का बहुत शोकिन है, साहित्य को बहुत ज्यादा देर तक पचाना आसान नहीं है, लेखक और कवि को बदलने पड़ेगा, आज सास बहू का जिस तरह सम्बन्ध है उस तरह का बनाना पड़ेगा, समय के हिसाब से टेक्नोलॉजी बदल रहा है, आज भी कवि को सुनने के लिए पूरी रात श्रोता बेठा रहता है, कहा जाता है कि साहित्यकार समाज का दर्पण होता है, लेकिन दर्पण कैसा हो आज साहित्यकार को समझने की जरूरत है, एक प्रबुद्ध व्यक्ति जो उसके मन में एक ही भाव होना चाहिए, हम सुधरेंगे जग सुधरेंगे, आप समाज की जान, है, पहचान है?। युवा व्यगंकार नहुष व्यास ने कहा कि ' बंजारा जी की साहित्य यात्रा चार दशकों की है, करवाड़ में जन्मे बंजारा आज पूरे देश में हाड़ौती अंचल की माटी खुशबू को पूरे देश में बिखेरा है। बंजारा जी ने हास्य के प्रसिद्ध लोकप्रिय गीत लाडू बाटी, मेला जैसे गीतों पर हंसाया है तो चेतक और महाराणा जैसे मार्मिक गीत पर रुलाया भी है, कारगिल के समय आपने देश भक्ति के गीत पढ़कर भी देश भक्ति की भावना भी जगाई है। ' लोकप्रिय गीतकार बाबू बंजारा ने कहा कि 'कवि सम्मेलन के मंचों पर आदरणीय विश्वामित्र दाधीच, दुर्गा दान सिंह गौड़, मुकुट मणिराज आदर्श रहे हैं, '।

इस आयोजन कार्य क्रम , वरिष्ठ साहित्य कार जितेंद्र निर्मोही, हेमराज सिंह हेम,योगीराज योगी, भगवती प्रसाद गौतम, दुर्गा शंकर बैरागी, अन्नू सिंह धाकड़, राजेन्द्र पंवार, रूपनारायण संजय,, डॉ शिव लहरी, प्रेम शास्त्री, महेश पंचोली, रामावतार सागर, सुरेश पण्डित, जगदीश निराला, भेरूलाल भास्कर, रामगोपाल गौतम, रामेश्वर शर्मा, रघुनंदन हटीला, , के सी राजपूत, जोधराज मधुकर, नन्द सिंह पंवार, विजय शर्मा, राजेन्द्र पंवार, निशामुनि गौड़, बद्रीलाल दिव्य, महावीर मेहरा, अखिलेश अखिल, रविन्द्र बीकावत, योगेश यर्थाथ, हलीम आयना, विष्णु शर्मा हरिहर, मुरली धर गौड़, डॉ नन्दकिशोर महावर, नवीन गौतम, श्याम अंकुर,चेतन मालव, विष्णु विश्वास मातृशक्ति में डॉ कृष्णा कमसिन, श्यामा शर्मा और परिवार जनों में धर्मपत्नी निरंजना सोनी, पुत्र हरषुल सोनी, पुत्रियाँ रितु सोनी, अंतिमा सोनी, अदिति सोनी है की गरीमामयी उपस्थिति आयोजन में चार चांद लगा रही थी?।

इस अवसर पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, कोटा, मधुकर काव्य संस्थान, राष्ट्रीय कवि संगम, चम्बल साहित्य समिति, सृजन साहित्य मंच सहित कई संस्थाओं ने कवि बंजारा का सम्मान किया।